न्यूज़ टुडे

यूएन वीमेन के अनुसार बढ़ता हुआ 'मैनोस्फीयर' लैंगिक समानता के समक्ष गंभीर खतरा है

'मैनोस्फीयर' एक व्यापक शब्दावली है, जिसका अर्थ है- **"ऑनलाइन समुदाय का एक ऐसा नेटवर्क, जो पुरुषत्व (मास्कुलिनिटी) की संकीर्ण और आक्रामक परिभाषा को बढ़ावा"** देता है। यह समुदाय यह झूठा दावा करता है कि **नारीवाद (Feminism) और लैंगिक समानता ने पुरुषों के अधिकारों को नुकसान** पहुंचाया है।

- यह सोच **महिलाओं के प्रति घृणा (misogyny) और नारीवाद विरोधी विचारों** पर आधारित है। 'मैनोस्फीयर' डिजिटल प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल नफरत फैलाने, महिलाओं के खिलाफ भेदभावपूर्ण सोच फैलाने और लैंगिक पूर्वाग्रह को बढ़ावा देने के लिए करता है।

'मैनोस्फीयर' के बढ़ने के लिए जिम्मेदार कारक

- **अभिपुष्टि की आवश्यकता:** आजकल कई युवा पुरुष सामाजिक रूप से अकेलापन महसूस करते हैं और उन्हें किसी समूह से जुड़ाव चाहिए होता है। इसी कारण वे 'मैनोस्फीयर' जैसे समूहों की ओर आकर्षित होते हैं, जहां उन्हें समर्थन व अभिपुष्टि मिलती है।
- **डिजिटल पहचान छुपी रहती है:** इंटरनेट पर गुमनाम रहने से सामाजिक या कानूनी सजा का डर कम हो जाता है। इससे महिलाओं के खिलाफ नफरत एवं भेदभाव फैलाना आसान हो जाता है।
- **सोशल मीडिया एल्गोरिदम:** सोशल मीडिया की तकनीकें ऐसे हानिकारक एवं महिलाओं के खिलाफ विचारों को और ज्यादा फैलाने में मदद करती हैं।
- **पुरुषत्व बढ़ाने वाले प्रभावशाली लोग (Influencers):** कई युवा पुरुष उन सोशल मीडिया हस्तियों को फॉलो करते हैं, जो रूढ़िवादी लैंगिक भूमिकाओं को बढ़ावा देते हैं। साथ ही, यह भी दिखाते हैं कि "नारीवाद की वजह से पुरुष पीड़ित हैं"।

प्रभाव

- **महिलाओं और लड़कियों के लिए डिजिटल विश्व में सुरक्षा कम होना:** जैसे कि **गेमरगेट** एक ऑनलाइन उत्पीड़न अभियान था, जिसमें महिला गेमर्स को पुरुष प्रधान सोच रखने वालों ने निशाना बनाया था।
- **लैंगिक समानता को कमजोर करना:** इस सोच की वजह से लोगों की **लैंगिक मुद्दों** को समझने की क्षमता प्रभावित होती है और **महिलाओं के अधिकारों व न्याय के लिए जनसमर्थन घटता** है।
- **वास्तविक जीवन में हानि को बढ़ावा देना:** जैसे – महिलाओं को गालियां देना, कार्यस्थल पर भेदभाव करना, महिलाओं के खिलाफ हिंसा की घटनाओं में वृद्धि होना आदि।
- **सार्वजनिक जीवन में महिलाओं की भागीदारी में कमी:** जैसे – **राजनीति, मीडिया, शिक्षा जगत** जैसे क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी घट जाती है।

'मैनोस्फीयर' से निपटने के लिए शुरू की गई पहलें

वैश्विक स्तर पर शुरू की गई पहलें

- **बीजिंग प्लेटफॉर्म फॉर एक्शन (1995):** यह मीडिया, विशेष रूप से **डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर महिलाओं की संतुलित और गैर-रूढ़िवादी (non-stereotypical) छवि दिखाने** का समर्थन करता है।
- **'मेकिंग ऑल स्पेसेस सेफ' पहल (UNFPA):** यह पहल तकनीक के माध्यम से होने वाली लैंगिक हिंसा से निपटने के लिए शुरू की गई है।
- **EU का डिजिटल सर्विसेज एक्ट:** यह कानून डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर महिलाओं के खिलाफ नफरत फैलाने वाले और लैंगिक भेदभाव वाले कंटेंट पर रोक लगाता है।

भारत में आरंभ की गई पहलें

- **स्त्री अशिष्ट रूपण (प्रतिषेध) अधिनियम, 1986:** यह कानून डिजिटल मीडिया में महिलाओं की अशिष्ट या अपमानजनक प्रस्तुति को अपराध मानता है।
- **आई.टी. नियम, 2021:** इन नियमों के तहत सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के लिए किसी आपत्तिजनक कंटेंट की शिकायत मिलने पर 24 घंटे के भीतर उसे हटाना अनिवार्य है।
- **डिजिटल शक्ति:** यह एक पहल है, जिसका उद्देश्य महिलाओं और लड़कियों को साइबर दुनिया में सक्षम बनाना तथा उनके लिए इंटरनेट को एक सुरक्षित स्थान बनाना है।

यू.के. हाउस ऑफ कॉमन्स ने टर्मिनली इल एडल्ट्स (एंड ऑफ लाइफ) बिल (असिस्टेड डाइंग बिल) को मंज़ूरी दी

यह बिल 18 वर्ष से ऊपर के ऐसी लाइलाज बीमारी (टर्मिनली इल) वयस्कों को असिस्टेड डाइंग यानी सहायता प्राप्त मृत्यु की अनुमति देता है, जिन्हें डॉक्टरों द्वारा यह बताया गया हो कि वे 6 महीने से अधिक नहीं जी पाएंगे।

- हालांकि, मृत्यु का चयन करने वाले रोगी का **मानसिक रूप से स्वस्थ होना अनिवार्य** है।

असिस्टेड डाइंग क्या है?

- असिस्टेड डाइंग उस स्थिति को कहते हैं, जब कोई **लाइलाज बीमारी से पीड़ित मरीज डॉक्टर से जानलेवा दवा स्वयं लेकर अपना जीवन समाप्त** करता है।
  - इसके विपरीत, **इच्छामृत्यु (Euthanasia) में डॉक्टर स्वयं मरीज को जानलेवा दवा देकर** उसका जीवन समाप्त करता है, चाहे वह मरीज अंतिम अवस्था में हो या न हो। इसका उद्देश्य केवल मरीज की पीड़ा को खत्म करना होता है।

असिस्टेड डाइंग से जुड़ी प्रमुख नैतिक दुविधाएं

- **रोगी की गरिमा का सम्मान बनाम जीवन की पवित्रता:**
  - **असिस्टेड डाइंग इस विचार** को मान्यता देती है कि मरीज को अपनी मृत्यु के मामले में निर्णय लेने का अधिकार है। विचारक **जे.एस. मिल इसे "रिफ्लेक्टिव ऑटोनॉमी" (विचारशील स्वायत्तता)"** मानते हैं यानी सोच-समझकर लिया गया निर्णय।
  - दूसरी ओर, **धार्मिक मान्यता** यह है कि जीवन ईश्वर का दिया हुआ है, और केवल वही इसे समाप्त करने का अधिकार रखता है।
- **चिकित्सा नैतिकता से टकराव:** डॉक्टर्स का मूल कर्तव्य जीवन को बचाना होता है। इसलिए किसी की मृत्यु में सहायता करना उसके **"हिप्पोक्रेटिक ओथ"** के खिलाफ है, जिसमें कहा गया है कि डॉक्टर को कभी भी जानबूझकर किसी को हानि नहीं पहुंचानी चाहिए।
- **दुरुपयोग का जोखिम:** यह आशंका रहती है कि कहीं इसका गलत उपयोग न हो जाए जैसे-**किसी के अंग निकालने के लिए या किसी स्वार्थवश मरीज को मरने के लिए प्रेरित** करना।
- **वास्तविक स्वेच्छाधीनता पर खतरा:** कुछ **शारीरिक रूप से अक्षम या आर्थिक रूप से कमजोर लोग** खुद को परिवार पर बोझ समझकर सामाजिक दबाव में आकर यह रास्ता चुन सकते हैं, भले ही वह उनका वास्तविक स्वैच्छिक निर्णय न हो।

संयुक्त राज्य अमेरिका के 'ऑपरेशन मिडनाइट हैमर' के बाद ईरान 'होर्मुज स्ट्रेट' जलमार्ग को बंद करने पर विचार कर रहा है

'ऑपरेशन मिडनाइट हैमर' के तहत **ईरानी परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हवाई हमले** किए गए हैं। इन हमलों के बाद **ईरान की संसद ने होर्मुज स्ट्रेट (जलडमरूमध्य) को बंद** करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है।

'ऑपरेशन मिडनाइट हैमर' के बारे में

- **लक्षित परमाणु ठिकानें:** संयुक्त राज्य अमेरिका ने अपने इस ऑपरेशन के तहत ईरान के परमाणु ठिकानों **(नतांज, इस्फ़हान और फोर्डो)** को निशाना बनाया है।
  - ये ठिकाने **ईरान के परमाणु कार्यक्रम के मुख्य केंद्र** हैं। वर्ष 2018 में अमेरिका ईरानी परमाणु समझौते **"जॉइंट कॉम्प्रिहेंसिव प्लान फॉर एक्शन (JCPOA)"** से हट गया था। अमेरिका के इस कदम के बाद **ईरानी परमाणु कार्यक्रम का कथित तौर पर तेजी से विकास** हुआ है।
- **अमेरिकी ऑपरेशन के तहत इस्तेमाल किए गए हथियार:** B-2 स्टील्थ बॉम्बर, GBU-57 बंकर बस्टर बम (मैसिव ऑर्डिनेंस पेनिट्रेटर) और टॉमहॉक मिसाइलें।

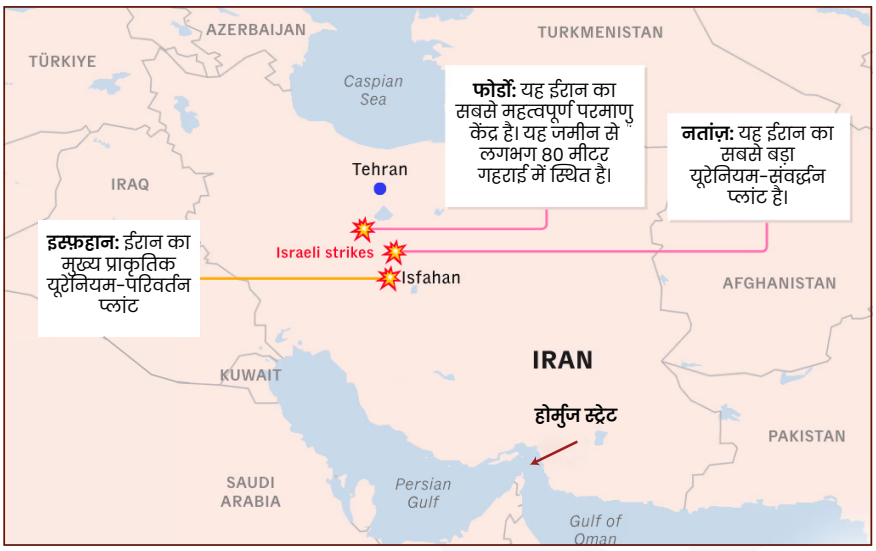

होर्मुज स्ट्रेट (जलडमरूमध्य) के बारे में

- यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग है, जो **फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी से आगे अरब सागर** से जोड़ता है।
- इस स्ट्रेट की **कुल लंबाई लगभग 167 किलोमीटर** है और सबसे संकीर्ण स्थान पर यह **केवल 33 किलोमीटर चौड़ा** है।

होर्मुज स्ट्रेट के बंद होने के प्रभाव

- **विश्व में ऊर्जा आपूर्ति पर प्रभाव:** होर्मुज स्ट्रेट से होकर **विश्व को बड़ी मात्रा में तेल और गैस की आपूर्ति** की जाती है। एक अनुमान के अनुसार इस स्ट्रेट से **विश्व के 20% तेल और LNG का व्यापार** होता है।
- **सामरिक महत्त्व:** यह स्ट्रेट खाड़ी क्षेत्र के **सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और कुवैत जैसे प्रमुख तेल उत्पादकों को अंतर्राष्ट्रीय बाजारों से जोड़ने** वाला एकमात्र लाभकारी समुद्री मार्ग है।
- **मुद्रास्फीति बढ़ने का खतरा:** तेल और गैस की आपूर्ति बाधित होने से **अंतर्राष्ट्रीय बाजार में इनकी कीमतें बढ़ेंगी,** जिससे मुद्रास्फीति में भी वृद्धि होगी।

होर्मुज स्ट्रेट के बंद होने से भारत पर प्रभाव

- **ऊर्जा सुरक्षा खतरे में पड़ना:** भारत में **लगभग 40% कच्चे तेल और करीब 50% प्राकृतिक गैस का आयात** इसी स्ट्रेट से होते हैं।
- **व्यापार घाटा:** ध्यातव्य है कि भारत, **दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक देश** है। जाहिर है कि **तेल और प्राकृतिक गैस के मूल्य में वृद्धि से आयात मूल्य भी बढ़ेगा।** इससे **व्यापार घाटे में और अधिक बढ़ोतरी** होगी।
- **आर्थिक स्तर पर खतरा:** कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें भारत की अर्थव्यवस्था के लिए नुकसानदेह हैं। इससे **भारतीय रुपये का अवमूल्यन** हो सकता है और वित्तीय बाजारों पर भी दबाव बढ़ सकता है।

चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश ने चीन के कुनमिंग शहर में अपनी पहली त्रिपक्षीय बैठक आयोजित की

यह चीन द्वारा भारत के पड़ोस में शुरू की गई **दूसरी त्रिपक्षीय वार्ता** है। इससे पहले **चीन, पाकिस्तान और अफगानिस्तान** के विदेश मंत्रियों के बीच भी इसी तरह की बैठक हुई थी।

- यह **दक्षिण एशिया में चीन के बढ़ते प्रभाव** को दर्शाता है। चीन भारतीय उपमहाद्वीप की सीमाओं पर अपने मित्र राष्ट्रों का एक घेरा बनाने की कोशिश कर रहा है।

भारत के लिए मुख्य चिंताएं:

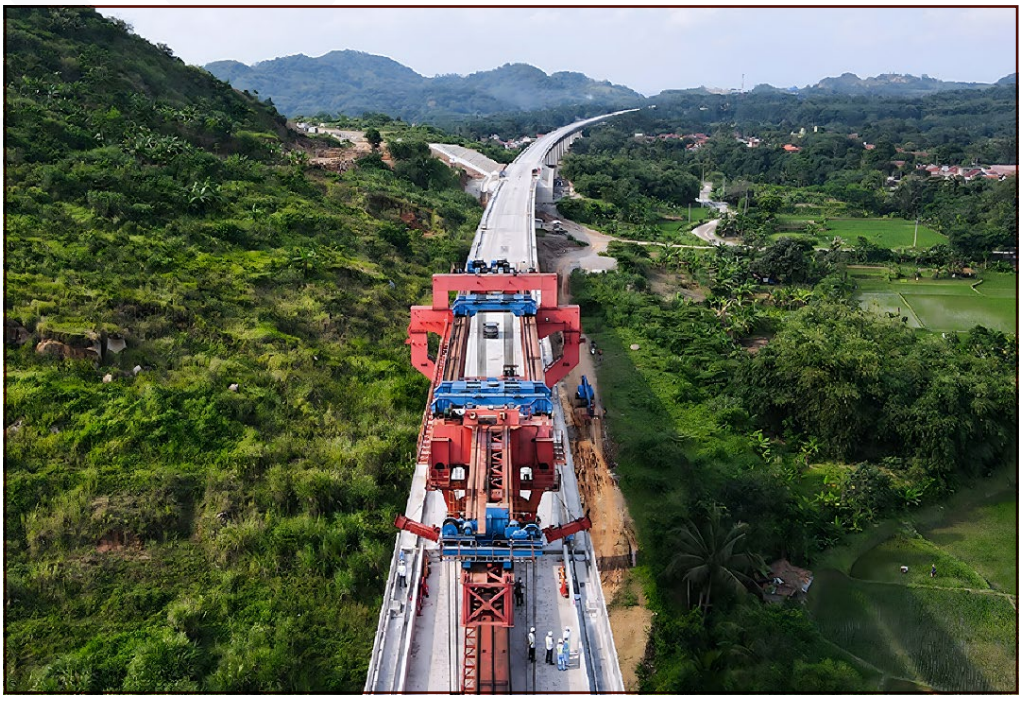

- **बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (BRI) परियोजनाओं का विस्तार:** बांग्लादेश और पाकिस्तान, दोनों BRI के प्रमुख भागीदार हैं।
  - BRI के तहत **चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (CPEC) शुरू किया गया है, जो पाकिस्तान-अधिकृत कश्मीर** से होकर गुजरता है।
- **'स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स' नीति का विस्तार:** इस नीति का उद्देश्य भारत को चारों ओर से चीनी चौकियों से घेरकर उस पर दबाव बनाना है।
  - चीन ने **हिंद महासागर** में कई प्रमुख बंदरगाहों तक पहुंच बना ली है, जैसे **पाकिस्तान का ग्वादर बंदरगाह और श्रीलंका का हम्बनटोटा बंदरगाह।**
  - अब चीन को बांग्लादेश के बंदरगाहों तक भी पहुंच मिलने की संभावना है। यह **भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा** हो सकता है।
- **समानांतर क्षेत्रीय सहयोग:** चीन द्वारा बनाए गए **वैकल्पिक क्षेत्रीय मंचों** के कारण भारत-नेतृत्व वाले मंच जैसे **बिम्सटेक (BIMSTEC) का महत्त्व कम** हो सकता है।
  - **बिम्सटेक/ BIMSTEC- बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग के लिए बंगाल की खाड़ी पहल।**
- **भारत की 'पड़ोस प्रथम' नीति को नुकसान:** त्रिपक्षीय पहल यह संकेत देती है कि **भारत के पड़ोस में नेतृत्व की कमी को चीन** भर रहा है। इससे दक्षिण-एशियाई क्षेत्र में भारत की भूमिका कमजोर हो सकती है।

आगे की राह: भारत को सभी पड़ोसी देशों के साथ मैत्रीपूर्ण और पारस्परिक लाभकारी संबंधों को प्राथमिकता देनी चाहिए। साथ ही, बिम्सटेक जैसे क्षेत्रीय संगठनों को और मजबूत करना चाहिए, ताकि क्षेत्र में सहयोग एवं नेतृत्व की भूमिका बनी रहे।

भारत में राजनीतिक दलों के वित्त-पोषण की समस्या चुनाव की लागत को बढ़ा रही है और पारदर्शिता में कमी ला रही है

एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (ADR) की एक रिपोर्ट के अनुसार, कई राजनीतिक दलों ने 2024 के आम चुनावों के बाद अपना **व्यय ब्यौरा देने में 1 से 232 दिनों की देरी** की थी, वहीं कुछ दलों ने तो **ब्यौरा बिल्कुल भी नहीं सौंपा है।**

- राजनीतिक दलों को **आम चुनाव के 90 दिनों के भीतर और विधान-सभा चुनाव के 75 दिनों के भीतर चुनाव व्यय का विवरण भारत के निर्वाचन आयोग (ECI) को देना अनिवार्य** है।
- उपर्युक्त नियम की व्यापक स्तर पर अवहेलना से **राजनीतिक दलों के वित्त-पोषण में पारदर्शिता और जवाबदेही पर गंभीर प्रश्न** उत्पन्न हुए हैं।

भारत में राजनीतिक दलों के वित्त-पोषण से जुड़ी चिंताएं

- **चुनाव प्रक्रिया की लागत का बढ़ना:** 2024 का लोक सभा चुनाव **दुनिया का सबसे महंगा चुनावी आयोजन** बन गया। इस चुनाव में **लगभग 1.35 लाख करोड़ रुपये का व्यय** हुआ था।
- **पारदर्शिता की कमी:** वर्ष 2004-05 से 2022-23 के बीच भारत में **6 प्रमुख राजनीतिक दलों को लगभग 60% राजनीतिक चंदे अज्ञात स्रोतों** से प्राप्त हुए थे।
- **राजनीतिक दलों की फंडिंग में असमानता:** उदाहरण के तौर पर, 2024 के आम चुनावों में **राष्ट्रीय दलों ने कुल राजनीतिक फंडिंग का 93% से अधिक हिस्सा** प्राप्त किया था। इससे राजनीतिक दलों को मिलने वाले **चंदे में असमानता** देखी गई और **चुनाव में सभी के लिए समान अवसर पर चिंताएं** बढ़ गईं।
- **उम्मीदवारों द्वारा अत्यधिक खर्च:** चुनाव आयोग के नियम के अनुसार प्रत्येक उम्मीदवार **लोक सभा चुनाव में अधिकतम 95 लाख रुपये और विधान सभा चुनाव में अधिकतम 40 लाख रुपये** खर्च कर सकता है। अक्सर **तीसरे पक्ष के प्रचारकों और आदर्श आचार संहिता में कमियों** की वजह से चुनाव में **वास्तविक खर्च कहीं अधिक** होते हैं।
- **चुनाव में सफलता में धन की बड़ी भूमिका है:** इस वजह से कम धनी उम्मीदवारों के लिए अवसर सीमित हो जाते हैं।
  - उदाहरण के लिए- मध्य प्रदेश में **44% विजयी उम्मीदवारों की घोषित संपत्ति 5 करोड़ रुपये से अधिक** थी।

चुनावी फंडिंग में सुधार के लिए सुझाव

- विधि आयोग ने **राजनीतिक दलों के लिए चुनावी व्यय की सीमा** तय करने की सिफारिश की है।
- **इंद्रजीत गुप्ता समिति** (1998) ने सभी दलों को चुनाव लड़ने के लिए **सरकार से फंडिंग देने की सिफारिश** की है, ताकि **सभी को समान आर्थिक अवसर** मिल सकें।
- ADR की सिफारिश के अनुसार **सभी चुनावी व्यय चेक/ ड्राफ्ट/ RTGS के माध्यम से होने चाहिए,** ताकि चुनाव में काले धन के इस्तेमाल को रोका जा सके।
- **अन्य सुझाव:**
  - चुनावी खर्च पर निगरानी के लिए **पर्यवेक्षकों की नियुक्ति** की जानी चाहिए।
  - **राजनीतिक चंदा देने वाले सभी व्यक्तियों/ संस्थाओं की जानकारी सार्वजनिक रूप से साझा** की जानी चाहिए।

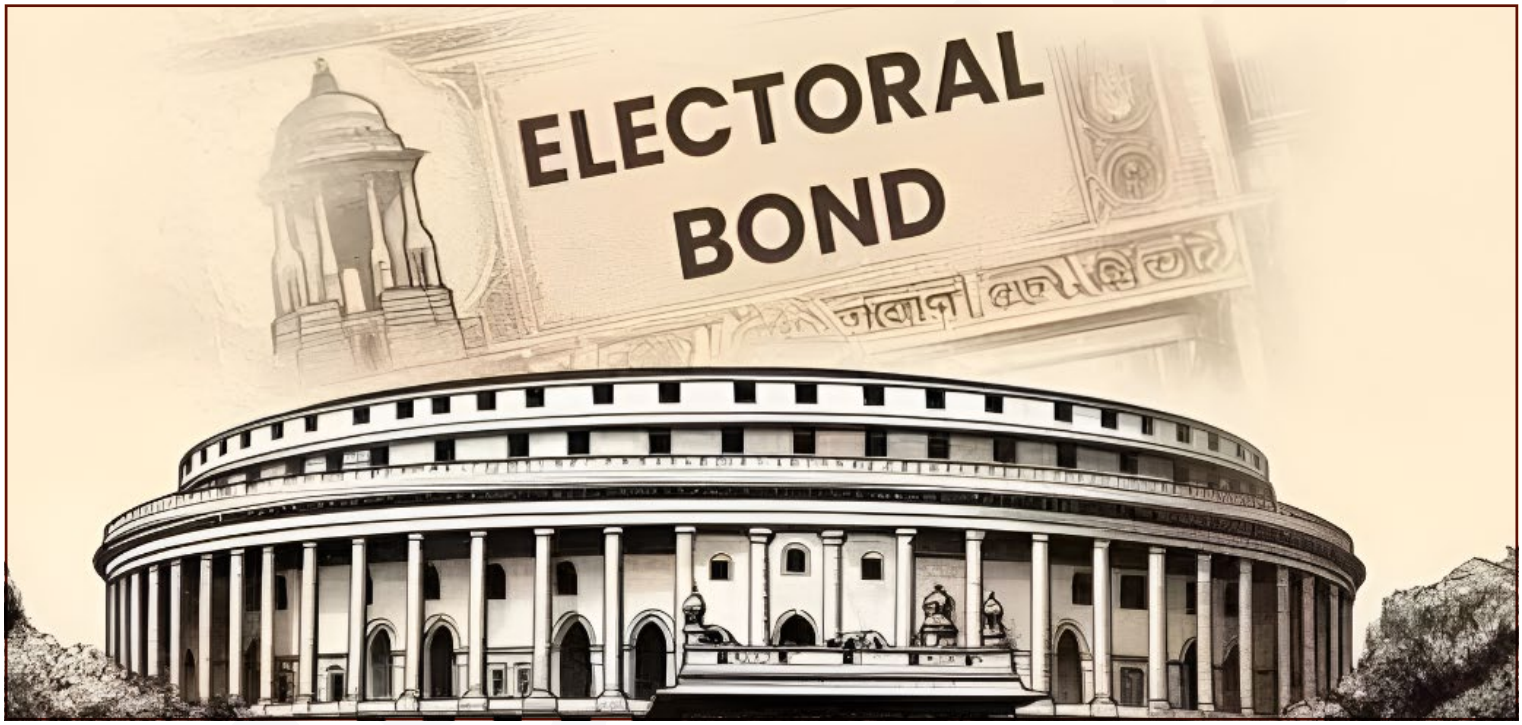

अन्य सुर्ख़ियां

कॉफी

भारत के कॉफी निर्यात में पिछले 11 वर्षों में लगभग **125% की बढ़ोतरी** हुई है और यह **1.8 अरब डॉलर** तक पहुँच गया है।

कॉफी के बारे में:

- कॉफी एक **उष्णकटिबंधीय पौधा** है।
  - कॉफी की लगभग **60 प्रजातियों** में से दो मुख्य रूप से व्यापार में उपयोग होती हैं – **अरेबिका और रोबस्टा**। विश्व के कुल कॉफी उत्पादन का लगभग 75% हिस्सा अरेबिका का होता है।
- **जलवायु परिस्थितियाँ:** कॉफी के उत्पादन के लिए **150 से 300 सेमी** वार्षिक वर्षा की आवश्यकता होती है। **अरेबिका के लिए औसत तापमान 15 से 24 डिग्री सेल्सियस,** जबकि **रोबस्टा के लिए 24 से 30 डिग्री सेल्सियस** आदर्श माने जाते हैं।
- **प्रमुख उत्पादक देश:**
  - **ब्राज़ील** दुनिया में सबसे बड़ा कॉफी उत्पादक देश है।
  - **भारत में कर्नाटक** सबसे आगे है, उसके बाद **केरल और तमिलनाडु** का स्थान आता है।
    - भारत में कॉफी मुख्य रूप से **पश्चिमी और पूर्वी घाट** में उगाई जाती है।

सुवर्णरेखा नदी

सुवर्णरेखा नदी में आई अचानक बाढ़ ने ओडिशा के बालासोर में भारी तबाही मचाई।

सुवर्णरेखा नदी के बारे में:

- **सुवर्ण** का अर्थ होता है- **सोना** और **रेखा** का मतलब होता है **रेखा/धार,** यानी इसका शाब्दिक अर्थ है **"सोने की रेखा"**।
- **भौगोलिक जानकारी:**
  - **उद्गम स्थल: राँची (झारखंड)** के नज़दीक पिस्का गाँव के पास।
  - **नदी घाटी क्षेत्र का विस्तार:** झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल।
  - **मुहाना:** यह नदी **बंगाल की खाड़ी** में गिरती है।
  - **मुख्य सहायक नदियाँ:** कांची, करकरी और खरकई।
  - **हुंडरू जलप्रपात** इसी नदी पर स्थित है।
- **महत्व: राष्ट्रीय जलमार्ग अधिनियम, 2016** के तहत **सुवर्णरेखा जलमार्ग** को **राष्ट्रीय जलमार्ग-96** घोषित किया गया है।

डिजिटल मार्केट एक्ट (DMA)

रिपोर्टों के अनुसार, अल्फाबेट की कंपनी Google ने **यूरोपीय संघ** के नियमों का पालन करने के लिए अपने सर्च रिजल्ट्स में बदलाव करने का प्रस्ताव दिया है।

डिजिटल मार्केट एक्ट (2022) के बारे में:

- यह कानून यह सुनिश्चित करता है कि **बड़ी डिजिटल कंपनियां (गेटकीपर)** ऑनलाइन **न्यायपूर्ण तरीके से व्यवहार करें** और अन्य कंपनियों को प्रतिस्पर्धा करने का अवसर मिले।
  - **गेटकीपर**, वे बड़ी डिजिटल प्लेटफॉर्म कंपनियां होती हैं जो कुछ खास डिजिटल सेवाएं देती हैं, जैसे **सर्च इंजन, ऐप स्टोर और मैसेजिंग सेवाएं**।
- यह कानून यह भी सुनिश्चित करता है कि
  - उपभोक्ताओं को **ज्यादा और बेहतर सेवाएं** मिलें,
  - अगर वे चाहें तो **सेवा प्रदाता बदलने के अधिक अवसर** हों,
  - सेवाओं तक **सीधी और आसान पहुंच** हो,
  - और **कीमतें भी उचित** हों।

ई-रक्त कोष

स्वास्थ्य मंत्रालय देश की 'रेयर डोनर रजिस्ट्री' को 'ई-रक्त कोष' से जोड़ने की योजना बना रहा है।

- **राष्ट्रीय दुर्लभ रक्तदाता रजिस्ट्री** का निर्माण मुंबई स्थित ICMR के **नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनोहीमैटोलॉजी** ने किया है, ताकि उन मरीजों की मदद की जा सके जिनका रक्त समूह बहुत दुर्लभ होता है और जिन्हें बार-बार रक्त चढ़ाने की जरूरत होती है।

ई-रक्त कोष (e-Rakt Kosh) के बारे में:

- **शुरुआत:** अप्रैल 2016
- यह **नेशनल हेल्थ मिशन** के अंतर्गत एक **ऑनलाइन ब्लड बैंक प्रबंधन प्रणाली** है।
  - यह **ब्लड बैंकों की जानकारी, उपलब्ध रक्त, रक्तदान शिविरों** आदि की जानकारी देता है।
- ई-रक्त कोष, **ड्रग एंड कॉस्मेटिक एक्ट, राष्ट्रीय रक्त नीति** के मानकों और दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करता है।

स्कल्पर गैलेक्सी/ NGC 253

शोधकर्ताओं ने ESO के वेरी लार्ज टेलीस्कोप पर मल्टी-यूनिट स्पेक्ट्रोस्कोपिक एक्सप्लोरर (MUSE) उपकरण का उपयोग करके **स्कल्पर गैलेक्सी** का एक विस्तृत मानचित्र तैयार किया है।

स्कल्पर गैलेक्सी के बारे में

- इसे NGC 253 या सिल्वर **कॉइन गैलेक्सी** के नाम से भी जाना जाता है। यह पृथ्वी से 7.5 मिलियन प्रकाश-वर्ष दूर है।
- इसकी खोज 1783 में कैरोलिन हर्शल ने की थी। यह एक बड़ी और किनारे से दिखाई देने वाली **सर्पिल गैलेक्सी** है।
  - इन गैलेक्सी के चारों ओर **हेलो (Halo)** होता है, जिसमें पुराने तारे, तारा समूह और डार्क मैटर होते हैं।
  - **मिल्की वे** और **एंड्रोमेडा गैलेक्सी** एक खास प्रकार की **"बार्ड सर्पिल"** गैलेक्सी हैं। इसमें तारे, गैस और धूल की **फीतों जैसी पट्टियां** होती हैं जो गैलेक्सी के बीच से गुजरती है।

CaTRAT

हाल ही में वन्यजीव वैज्ञानिकों ने हिमालयी स्नो लेपर्ड की पहचान के लिए CaTRAT तकनीक के उपयोग को उजागर किया।

CaTRAT (कैमरा ट्रैप डेटा रिपॉजिटरी एंड एनालिसिस टूल) के बारे में:

- यह एक **सॉफ्टवेयर** है जो **कैमरा ट्रैप से लिए गए फोटो** को **आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और न्यूरल नेटवर्क मॉडल** की मदद से **स्वतः पहचान और वर्गीकरण** करता है।

बड़ी बिल्लियों की पहचान के लिए इस्तेमाल की जा रही अन्य तकनीकें:

- **बाघ (Tiger): M-STrIPES** (Monitoring System for Tigers – Intensive Protection and Ecological Status)
  - यह GPS की मदद से फोटो आधारित सबूतों को **जियो-टैग** करता है।
- **शेर (Lion):**
  - **AI आधारित सिस्टम** जैसे- **SIMBA, E-GujForest,** और **Alert Generation System** का उपयोग किया जा रहा है।

ग्वाडा नेगेटिव

कैरेबियन द्वीप **ग्वाडेलूप** की एक फ्रेंच महिला को एक नए रक्त समूह के वाहक के रूप में पहचाना गया है। इस दुर्लभ रक्त समूह को **"ग्वाडा नेगेटिव"** नाम दिया गया है। वह इस रक्त समूह की दुनिया में एकमात्र ज्ञात व्यक्ति हैं।

ग्वाडा नेगेटिव के बारे में

- यह एक नेगेटिव रक्त समूह प्रणाली है। इसे इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ ब्लड ट्रांसफ्यूजन (ISBT) द्वारा आधिकारिक तौर पर **ISBT042** के रूप में पंजीकृत किया गया है। इस रक्त समूह में **EMM एंटीजन** मौजूद नहीं होता।
  - EMM एंटीजन आमतौर पर लाल रक्त कोशिकाओं पर पाया जाता है और इसे **हाई-इंसिडेंट एंटीजन** माना जाता है।
  - **हाई-इंसिडेंट एंटीजन** लगभग सभी मनुष्यों में मौजूद होते हैं।
- यह अब दुनिया की **48वीं रक्त समूह प्रणाली** बन गई है।

नैनो उर्वरक

इंडियन फार्मर्स फर्टिलाइजर को-ऑपरेटिव लिमिटेड (IFFCO) ब्राजील में अपना **पहला विदेशी नैनो उर्वरक संयंत्र** स्थापित करेगा।

- इफ्को ने 2021 में दुनिया का पहला **'नैनो लिक्विड यूरिया'** उर्वरक लॉन्च किया था और फिर बाद में **2023 में नैनो-DAP लॉन्च** किया।

नैनो उर्वरकों के बारे में

- **नैनो उर्वरक** ऐसे पोषक तत्व होते हैं जिन्हें **नैनो आकार की सामग्री** (100 नैनोमीटर या उससे कम) में **लपेटा या कोट** किया जाता है।
- इससे **पोषक तत्व धीरे-धीरे और नियंत्रित रूप से मिट्टी** में घुलते हैं।

लाभ

- **संधारणीय कृषि को बढ़ावा देता है:** यह मृदा और जल के प्रदूषण को कम करता है।
- **लागत में किफायती:**
  - पौधों द्वारा **पोषक तत्वों का बेहतर अवशोषण** होता है।
  - **उर्वरकों की बर्बादी कम** होती है।
  - **बार-बार उर्वरक का प्रयोग करने की आवश्यकता** नहीं पड़ती है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

दुनियाभर में **11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस** मनाया गया।

- इस वर्ष योग दिवस की थीम है: **'योगा फॉर वन अर्थ, वन हेल्थ'**।
- **दिसंबर 2014,** में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने **प्रस्ताव संख्या 69/131** के तहत **21 जून** को **अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस** घोषित किया था।
  - **21 जून** को **उत्तरी गोलार्ध** में **वर्ष का सबसे लंबा दिन** होता है, जिसे **ग्रीष्म संक्रांति** कहा जाता है।

योग के बारे में

- **'योग'** शब्द संस्कृत के मूल शब्द **'युज'** से लिया गया है जिसका अर्थ है- **जोड़ना**। योग वास्तव में **आत्मा और शरीर की एकता** का प्रतीक है।
- **महर्षि पतंजलि** ने अपने **योग सूत्र** के माध्यम से योग की तत्कालीन प्रचलित पद्धतियों को व्यवस्थित और संहिताबद्ध किया।
- योग को यूनेस्को की **मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची** में शामिल किया गया है।